31 अस्पतालों की जांच में सीएमएचओ पर अदालत को गुमराह करने का आरोप

- जनहित याचिका में रिजॉइंडर के साथ कथित फर्जी दस्तावेज पेश
- अवैध अस्पतालों को बचाने का दावा; अगली सुनवाई में रिकॉर्ड पर होगी पड़ताल

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के 31 अस्पतालों की वैधता और नियमों के पालन को लेकर दायर जनहित याचिका में गुरुवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में सुनवाई के दौरान नया मोड़ आ गया. याचिकाकर्ता एडवोकेट चर्चित शास्त्री ने अदालत में दाखिल अपने प्रत्युत्तर (रिजॉइंडर) में सीएमएचओ पर भ्रामक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर न्यायालय को गुमराह करने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों को

बचाने का गंभीर आरोप लगाया है.

इंदौर के अस्पतालों की वैधानिकता को लेकर दायर जनहित याचिका में हाईकोर्ट के पूर्व निर्देश के अनुसार याचिकाकर्ता एडवोकेट चर्चित शास्त्री ने अपना विस्तृत प्रत्युत्तर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया. प्रत्युत्तर में आरोप लगाया है कि सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी द्वारा कोर्ट में पेश की गई जांच रिपोर्ट वास्तविक तथ्यों के अनुरूप नहीं है. याचिकाकर्ता का दावा है कि वास्तविक स्थिति छिपाकर ऐसी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिससे नियमों का उल्लंघन करने वाले कुछ अस्पतालों को राहत मिल सके. रिजॉइंडर के साथ याचिकाकर्ता ने ऐसे दस्तावेज भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का दावा किया है, जिन्हें उन्होंने कूटरचित बताया है. साथ ही कुछ अस्पतालों के संबंध में यह भी कहा है कि वे आवश्यक वैधानिक अनुमति और पंजीयन के बिना संचालित हो रहे हैं, जबकि रिकॉर्ड में उनकी स्थिति अलग दर्शाई गई है. मामले की पिछली सुनवाई में भी याचिकाकर्ता ने कई गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई थीं. उनका कहना था कि हाईकोर्ट ने 31 अस्पतालों की जांच के निर्देश दिए थे, लेकिन सीएमएचओ की ओर से 34 संस्थानों की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई. इसके अलावा विनायक पैथोलॉजी लैब और लेडी हलीमा हॉस्पिटल को सील किए जाने से जुड़े कथित फर्जी आदेश भी रिकॉर्ड पर रखने का आरोप लगाया था. याचिका में यह दावा भी किया गया है कि कुछ अस्पतालों ने भवन अनुमति संबंधी दस्तावेजों के समर्थन में नगर निगम के कथित फर्जी शपथ-पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए हैं. इन दस्तावेजों की सत्यता पर भी याचिकाकर्ता ने सवाल उठाए हैं.

दबाव बनाने और हमले के प्रयास किए...

पिछली सुनवाई के दौरान एडवोकेट चर्चित शास्त्री ने अदालत को बताया था कि जनहित याचिका दायर करने के बाद उन पर दबाव बनाने और हमले के प्रयास किए. इस पर हाईकोर्ट ने राज्य शासन को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता की सुरक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है. अब गुरुवार को दाखिल किए गए प्रत्युत्तर और उसके साथ प्रस्तुत दस्तावेजों पर हाईकोर्ट अगली सुनवाई में विचार करेगा. अदालत संबंधित पक्षों के जवाब और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर आगे के निर्देश जारी करेगी. मामले में लगाए गए आरोपों पर अंतिम स्थिति न्यायालय के आगामी आदेश के बाद ही स्पष्ट होगी.

मैं मौजूद नहीं था...

मैं सुनवाई के दौरान कोर्ट में मौजूद नहीं थे, इसलिए मामले की पूरी जानकारी उनके पास नहीं है.
सीएमएचओ, डॉ. माधव हासानी

प्लास्टर मामले में जांच का दायरा बढ़ा, गिरफ्तारी से जेल दाखिले तक की प्रक्रिया खंगाल रही पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरानगर थाना क्षेत्र में तोड़फोड़ के आरोपियों को कथित रूप से नकली प्लास्टर बांधकर जुलूस निकालने के मामले में पुलिस जांच अब अस्पताल से लेकर थाने और जेल दाखिले तक पहुंच गई है. निजी अस्पताल के डॉक्टर के बयान दर्ज होने के बाद जांच अधिकारियों ने यह पता लगाना शुरू किया है कि आरोपियों की मेडिकल जांच से लेकर गिरफ्तारी और कोर्ट में पेशी तक पूरी प्रक्रिया में कहां कहां लापरवाही हुई. मामला उस समय सामने आया था, जब हीरानगर थाना पुलिस ने कार में तोड़फोड़ और मारपीट के मामले में मयंक और शोभित को गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी के बाद पुलिस की ओर से आरोपियों के हाथ पैर में फ्रैक्चर होने की जानकारी दी गई थी. इसके बाद दोनों आरोपियों को प्लास्टर बंधी हालत में इलाके में घुमाया था. इस दौरान सामने आई तस्वीरों और वीडियो के बाद पूरे मामले पर सवाल उठे थे. अब जांच में निजी अस्पताल के डॉक्टर से यह जानकारी जुटाई गई है कि आरोपियों की चोट और प्लास्टर को लेकर मेडिकल स्थिति क्या थी. इसके अलावा पुलिस अधिकारी यह भी देख रहे हैं कि आरोपियों को थाने से अस्पताल, कोर्ट और जेल तक ले जाने की प्रक्रिया में कौन कौन पुलिसकर्मी मौजूद थे और पूरी कार्रवाई किस आधार पर की गई. मामले में कुछ लोगों ने आरोप लगाया था कि पुलिसकर्मियों ने 20 हजार रुपए लेकर आरोपियों को नकली प्लास्टर बंधवाया और जुलूस निकाला.

मस्टर कर्मचारियों के नाम पर फर्जी खाते बनाकर 2.94 लाख ट्रांसफर, निगम की स्थापना शाखा में गड़बड़ी का खुलासा

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम के प्रधान कार्यालय की स्थापना शाखा में मस्टर कर्मचारियों के वेतन भुगतान से जुड़ी प्रक्रिया में गड़बड़ी का मामला सामने आया है. आरोप है कि असली कर्मचारियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते तैयार कर करीब 2 लाख 94 हजार रुपए की राशि दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दी गई. प्रारंभिक जांच के बाद निगम प्रशासन ने दो अस्थाई कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं. वहीं एमजी रोड थाने में पुलिस ने धोखाधड़ी और कूटरचना का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

नगर निगम के प्रधान कार्यालय स्थित स्थापना शाखा में सामने आई इस गड़बड़ी को लेकर उपायुक्त (स्थापना) डॉ. केशव सिंह सगर ने एमजी रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत की जांच में सामने आया कि स्थापना शाखा में कार्यरत दो अस्थाई कर्मचारियों ने मस्टर कर्मचारियों के बैंक खाते परिवर्तन की प्रक्रिया का कथित रूप से दुरुपयोग किया. जांच के अनुसार, अमन सालवी निवासी राजनगर और अनुज पंवार निवासी पाटनीपुरा, मांगीलाल की चाल पर आरोप है कि उन्होंने पांच मस्टर कर्मचारियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते तैयार किए और उनमें 2 लाख 94 हजार 193 रुपए की राशि ट्रांसफर की गई. मामला सामने आने के बाद नगर निगम प्रशासन ने प्रारंभिक जांच के आधार पर कार्रवाई की. अमन सालवी की सेवाएं समाप्त कर उसकी सिस्टम आईडी लॉक कर दी गई, जबकि अनुज पंवार की आउटसोर्स सेवा भी तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई. इधर, एमजी रोड थाने में नगर निगम उपायुक्त की शिकायत पर दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है. पुलिस अब बैंक खातों में हुए लेनदेन, दस्तावेजों और इस प्रक्रिया में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है.

जांच की जा रही है...

नगर निगम की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है. मामले में दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है.
एडिशनल डीसीपी जोन 3, ओमप्रकाश

इंदौर का वीर बेटा जैसलमेर में हुआ बलिदान

नव भारत न्यूज

इंदौर. देश की रक्षा में तैनात इंदौर के वीर सपूत मेजर हमजा आरिफ जैसलमेर में हुए सड़क हादसे में बलिदान हो गए. ड्यूटी पूरी कर लौटते समय सेना के वाहन की ऊंट से टक्कर हो गई. हादसे में मेजर हमजा ने देश सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए, जबकि दो अन्य जवान घायल हुए हैं.

राजेंद्र नगर में रहने वाले 31 वर्षीय मेजर हमजा आरिफ करीब नौ वर्षों से भारतीय सेना में सेवाएं दे रहे थे. गुरुवार रात जैसलमेर क्षेत्र में सैन्य वाहन से लौटते समय यह हादसा हुआ. वाहन के पलटने से मेजर हमजा गंभीर रूप से घायल हुए और उनका निधन हो गया. इंदौर में जैसे ही उनके बलिदान की खबर पहुंची, राजेंद्र नगर क्षेत्र में शोक छा गया. जिस परिवार ने अपने बेटे को देश की सेवा के लिए समर्पित किया था, वहां अब मातम का माहौल है. परिवार के अनुसार, मेजर हमजा का विवाह करीब एक माह पहले ही हुआ था. उनके परिवार में माता पिता और तीन बहनें हैं, पिता आरआर कैट से सेवानिवृत्त हैं. मेजर हमजा का पार्थिव शरीर शनिवार दोपहर तक इंदौर पहुंचने की संभावना है. इसके बाद सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी जाएगी. उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शहरवासियों के शामिल होने की संभावना है.

नाना पटवारी और साथियों पर प्लॉट धोखाधड़ी के आरोप बढ़े

- एक और व्यक्ति ने पुलिस को सौंपे डायरी, एग्रीमेंट
- शुभम वैली में 11 लाख रुपए देकर भी नहीं मिला प्लाट, पहले युवती भी कर चुकी है शिकायत; अन्य पीड़ितों से संपर्क कर रही पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. ड्रग्स, ऑनलाइन सट्टा और प्लाट धोखाधड़ी के मामलों में जांच के घेरे में आए नाना पटवारी और उसके साथियों की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं. प्लाट के नाम पर ठगी का आरोप लगाते हुए एक और व्यक्ति ने राजेंद्रनगर थाने पहुंचकर पुलिस को डायरी और एग्रीमेंट सौंपे हैं. शिकायतकर्ता का आरोप है कि शुभम वैली में प्लाट के लिए 11 लाख रुपए देने के बाद भी उसे न तो प्लाट मिला और न ही रकम वापस की गई.

संजय महाजन नामक व्यक्ति ने थाने पहुंचकर प्लाट से जुड़े दस्तावेज पुलिस को दिए हैं. शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने शुभम वैली में प्लाट खरीदने के लिए राशि दी थी, लेकिन लंबे समय बाद भी उसे प्लाट नहीं मिला. इससे पहले भी एक युवती नाना पटवारी, भरत पटवारी और सुमित मंत्री के खिलाफ इसी तरह की शिकायत कर चुकी है. इस मामले में पुलिस पहले ही जांच शुरू कर चुकी है और तीनों से पूछताछ भी की जा चुकी है. अब नई शिकायत और दस्तावेजों को भी जांच में शामिल किया है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपों की जांच के लिए संबंधित लोगों को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा. वहीं पुलिस को जानकारी मिली है कि शुभम वैली में प्लाट के नाम पर कथित धोखाधड़ी के कुछ और पीड़ित भी सामने आए हैं, जिनसे संपर्क कर उनके बयान और दस्तावेज लिए जा रहे हैं.

एक व्यक्ति ने प्लाट से जुड़े दस्तावेज थाने में जमा कर शिकायत की है. मामले की जांच में इन दस्तावेजों को शामिल किया है, अन्य लोगों से भी जानकारी ली जा रही है. जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.
डीसीपी, नरेंद्र सिंह रावत

एक नजर में
उत्कृष्ट प्रतिभागियों का हुआ सम्मान

इंदौर. नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत गुरुवार को पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी) इंदौर में शपथ ग्रहण एवं प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया. पुलिस अधीक्षक पीटीसी श्रीमती वाहनी सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षणरत नव आरक्षक, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की शपथ ली. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती आरती सिंह ने शपथ दिलाई तथा 15 दिवसीय अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रशिक्षुओं एवं अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार मौर्य, बी.एल. वरकडे, निरीक्षक अमृता सोलंकी, प्रियंका काम्बले, रक्षित निरीक्षक रेखा रावत सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे.

लता-रफी फैंस क्लब का रफी की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम

महू. शहर की चौपड़ा वाटिका में मोहम्मद रफी साहब की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर लता रफी फैंस क्लब के 21 कलाकारों के द्वारा शानदार गरिमामय संगीत निशा का आयोजन सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश पाटीदार एवं विशेष अतिथि समाज सेवी रामकिशोर शुक्ला, राधेश्याम यादव, पत्रकार संघ अध्यक्ष विजय खंडेलवाल, डॉ. हेमलता पाटीदार थे. शुभारंभ दीप प्रज्वलन रामकिशोर शुक्ला, राधेश्याम यादव, डॉ. राजेश पाटीदार विजय खंडेलवाल, श्याम अग्रवाल, अशोक दीक्षित डॉ हेमलता पाटीदार डॉ ऊषा किरण त्रिपाठी, राजेश बियानी,वीणा दीक्षित द्वारा किया गया. इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सुरेश क्षीरसागर का आइडियल लाइफ क्लब एवं अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया. इसके पश्चात रफी साहब के शानदार नगमों की प्रस्तुति दी गई युगल एवं एकल गीतों में सुरेश क्षीरसागर, निधि मोरे, संजय यादव, अशोक स्वाले, सीमा सवाले, के. पी. सिंह,भावना सोनी,डॉ. संजय श्रीवास्तव, सुनीता लाहौर, शांतनु अधिकारी रेवा अधिकारी, गायत्री विजयगर्वीय, जितेंद्र चौधरी,सुधा कोंगे, अजय चौबे, अनिल रघुवंशी, रितेश कनोजिया, डॉ. ऊषा किरण त्रिपाठी,देवराज यादव आदि कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई. कार्यक्रम का संचालन कमलकांत भलेवाडीकर एवं पायल परदेशी द्वारा किया गया. राजेश बियानी द्वारा मुख्य अतिथि डॉ राजेश पाटीदार सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया आभार शशांक क्षीरसागर द्वारा व्यक्त किया गया.

विद्यार्थियों के लिए अनुशासन ही सफलता की कुंजी

महू. गुरु पूर्णिमा उत्सव के अवसर पर स्थानीय क्रिस्टीना कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, महूगांव में आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत संगठन मंत्री मुकेश कौशल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कार और अनुशासन ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं .कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. चंद्र प्रकाश निगम ने भी विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व से अवगत कराया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या वैशाली बकोरे ने की. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भाषण, समूहगान एवं संस्कृत श्लोकों की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रथमेश कौशल, साहिल सागर, रौनक ठाकुर सहित सेकड़ो विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे.

रेलवे स्टेशन पर अज्ञात व्यक्ति की मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर एक अज्ञात व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है. आरपीएफ पोस्ट के सामने मिले शव को जीआरपी ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा है. पुलिस मृतक की पहचान और परिजनों की तलाश में जुटी है.

शुक्रवार 31 जुलाई को स्टेशन अधीक्षक रेलवे स्टेशन इंदौर की ओर से सूचना दी गई कि प्लेटफॉर्म नंबर 4 स्थित आरपीएफ पोस्ट के सामने करीब 55 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. प्रारंभिक जांच में किसी अज्ञात बीमारी के कारण मौत होने की आशंका जताई गई है. पुलिस ने मौके की कार्रवाई के बाद शव

को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा है. मृतक की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों और अन्य माध्यमों से जानकारी जुटाई जा रही है. जीआरपी ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस अब मृतक के वारिसानों का पता लगाने का प्रयास कर रही है.

फर्जी बैंक खाते बेचने वालों की संपत्ति खंगालेगी क्राइम ब्रांच

- छह आरोपियों की जानकारी नगर निगम से मांगी
- साइबर ठगों को खाते उपलब्ध कराने का आरोप
- पुलिस को शक- करोड़ों के ट्रांजेक्शन से हुई कमाई को किया जा सकता है फ्रीज

नव भारत न्यूज

इंदौर. साइबर ठगों को फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह पर शिकंजा कसते हुए क्राइम ब्रांच अब आरोपियों की संपत्ति की जांच में जुट गई है. पुलिस ने गिरोह से जुड़े छह आरोपियों की संपत्ति की जानकारी नगर निगम से मांगी है. जांच एजेंसी को आशंका है कि आरोपियों ने फर्जी खातों की बिक्री से बड़ी रकम कमाई है और इन खातों में करोड़ों रुपए का लेनदेन हुआ है.

मामले की शुरुआत परदेशीपुरा क्षेत्र में हुई एक ऑनलाइन ठगी की जांच से हुई थी. ठगी में इस्तेमाल हुए बैंक खाते की जांच करते हुए क्राइम ब्रांच को ऐसे गिरोह का पता चला, जो साइबर ठगों को फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराता था. जांच में सामने आया कि इन खातों का उपयोग शेयर ट्रेडिंग के नाम पर देशभर में की गई करोड़ों रुपए की ठगी की रकम के लेनदेन के लिए किया. इस मामले में क्राइम ब्रांच अब तक जतिन, जय, आकाश विश्वकर्मा, प्रवीण पाल, आशीष पुरी और समर्थ बरदेला निवासी रॉयल अमर ग्रीन को गिरफ्तार कर चुकी है. पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और बैंक पासबुक सहित अन्य सामग्री जब्त की थी. जांच में सामने आए बैंक खातों की पड़ताल में पुलिस को बड़े लेनदेन की जानकारी मिली है. इसी आधार पर अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने इस अवैध कारोबार से कितनी संपत्ति बनाई है. संपत्ति की जानकारी मिलने के बाद उसे फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है. वहीं पुलिस को गिरोह से जुड़े कुछ अन्य लोगों की जानकारी भी मिली है. उनकी तलाश के लिए अलग अलग टीमें काम कर रही हैं.

फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह के सदस्यों से पूछताछ में कई जानकारियां मिली हैं. खातों में हुए लेनदेन और आरोपियों की संपत्ति की जानकारी जुटाई जा रही है, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.
डीसीपी क्राइम ब्रांच, राजेश त्रिपाठी

कार हादसे में 4 साल के मासूम की मौत

इंदौर. गांधी नगर थाना क्षेत्र के दिलीप नगर में शुक्रवार को कार हादसे में 4 साल के शिवांश पिता सतीश राठौर निवासी ग्राम बिंजाना, थाना देवास की मौत हो गई. शिवांश मां मोना के साथ कार की आगे वाली सीट पर बैठा था. हादसे के बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से एमवाय अस्पताल रेफर किया. डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया.

परिजन सज्जन सिंह ने पुलिस को बताया कि परिवार कार से मानपुर के समीप 13वीं के कार्यक्रम में जा रहा था. इसी दौरान कार आगे चल रही कार से टकरा गई. हादसे में एयरबैग खुल गया, लेकिन शिवांश घायल हो गया. पुलिस ने एमवाय अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाकर मामले की जांच शुरू की है.

शराब दुकान पर हंगामा और मारपीट करने वाला प्रधान आरक्षक निलंबित

डीसीपी ने की कार्रवाई, एसीपी अन्नपूर्णा को सौंपी जांच

नव भारत न्यूज

इंदौर. द्वारकापुरी थाना क्षेत्र स्थित फूटी कोठी शराब दुकान पर हंगामा और मारपीट करने के मामले में पुलिस विभाग ने कार्रवाई करते हुए प्रधान आरक्षक तन्मय सिंह तोमर को निलंबित कर दिया है. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच एसीपी अन्नपूर्णा को सौंपी है.

वायरल वीडियो में प्रधान आरक्षक शराब दुकान के कर्मचारियों से विवाद करते और मारपीट करते नजर आ रहे हैं. बताया जा रहा है कि विवाद किसी सामान की खरीद और उसके भुगतान को लेकर शुरू हुआ था, जिसके बाद मामला बढ़ गया. वीडियो में प्रधान आरक्षक दुकान के अंदर काउंटर तक पहुंचकर

कर्मचारियों से विवाद करते दिखाई दे रहे हैं. घटना के दौरान वीडियो बना रहे एक व्यक्ति के साथ भी मारपीट किए जाने की बात सामने आई है. बताया जा रहा है कि प्रधान आरक्षक के साथ कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे. घटना के बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके आधार पर पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई की. प्रधान आरक्षक तन्मय सिंह तोमर पुलिस की खुफिया शाखा में पदस्थ थे. मामले में जोन 4 के पुलिस उपायुक्त ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. अब एसीपी अन्नपूर्णा द्वारा वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है.

जांच जारी है...

वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच की जा रही है. जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.
एसीपी, शिवेंदु जोशी

स्थायी वारंट वाले प्रकरणों की जानकारी 7 दिन में अभिभाषक संघ को दें

- 138 एनआई एक्ट के लंबित मामले प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष भेजी जाएगें
- रिपोर्ट तलब कर आगे की कार्रवाई की जाएगी

नव भारत न्यूज

इंदौर. जिला अभिभाषक संघ इंदौर ने अभिभाषकों से स्थाई वारंट वाले लंबित प्रकरणों की जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है. संघ ने कहा है कि 138 नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के ऐसे मामलों में, जिनमें स्थाई वारंट जारी हो चुके हैं और अब तक उनकी तामील नहीं हुई है, उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी जुटाई जाएगी.

संघ की ओर से जारी सूचना में अभिभाषकों से कहा गया है कि वे आगामी 7 दिनों के भीतर अपने प्रकरण क्रमांक, पेशी दिनांक, जिस दिन स्थाई वारंट जारी हुआ है उसकी जानकारी और संबंधित न्यायाधीश का नाम जिला अभिभाषक संघ कार्यालय में जमा कराएं. प्राप्त जानकारी के आधार पर सूची तैयार कर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी. इसके बाद संबंधित न्यायालयों से प्रकरणों की रिपोर्ट तलब कर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में
वार्ड 46 में अधूरी सड़कों से रहवासी परेशान

पूरे वार्ड की मुख्य सड़कें चमकीं, अंदरूनी गलियां हुई बदहाल

नव भारत न्यूज

इंदौर. वार्ड क्रमांक 46 के कुछ क्षेत्रों में मुख्य सड़कें तो चमक रही हैं, लेकिन अंदरूनी गलियां वर्षों से बदहाल पड़ी हैं. अधूरी सड़कें, जलभराव, कीचड़ और गंदगी के कारण रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर पाए हैं.

मालवा मिल चौराहे से लगे वार्ड नम्बर 46 के रुस्तम का बगीचा, गोटू महाराज की चाल और विद्या भवन स्कूल के सामने का क्षेत्र विकास कार्यों की अधूरी तस्वीर पेश कर रहा है. मुख्य

सड़क और कुछ मार्गों का निर्माण तो हो चुका है, लेकिन अंदरूनी गलियां वर्षों से जर्जर हालत में हैं.

जानकारी के अनुसार सीवरेज लाइन और नर्मदा पाइपलाइन डालने के लिए सड़कों की खुदाई की गई थी, लेकिन काम पूरा होने के बाद इन्हें दोबारा व्यवस्थित नहीं किया. बरसात के दिनों में गलियों में कीचड़ और जलभराव से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है. गंदगी के कारण मच्छर और मक्खियों का प्रकोप भी बढ़ रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा बना हुआ है. जर्जर रास्तों के कारण सफाईकर्मी भी नियमित रूप से नहीं पहुंच पाते, जिसके चलते जगह जगह कचरे के ढेर लगे रहते हैं. रहवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण और सफाई व्यवस्था को लेकर पार्षद, विधायक और नगर निगम अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस क्षेत्रवासियों ने जल्द सड़क निर्माण और नियमित सफाई व्यवस्था की मांग की है.

इनका कहना है...

पहले सिर्फ गिट्टी और माल डालकर सड़क बना दी गई थी, जो कुछ समय बाद ही खराब हो गई. अब सरिया का जाल बिछाकर सड़क बनाई जानी चाहिए, जिससे दोबारा यह स्थिति न बने.
— गणेश जारवाल

हमें अच्छा और पक्का रोड चाहिए, आसपास की गलियों में भी ध्यान दिया जाना चाहिए. घरों के सामने गंदगी फैली रहती है, शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होती.
— द्वारका रनित

कई बार पार्षद को समस्या बता चुके हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिलता है. कहा जाता है कि यहां ठेकेदार काम नहीं करना चाहता. बरसात में कीचड़ और गर्मियों में धूल से परेशान हैं.
— अनीता सूर्यवंशी